Tender Heart High School, Sector- 33 B, Chandigarh.

कक्षा - तीसरी

शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी साहित्य

पुस्तक : तरंग हिन्दी पाठमाला - 3

पाठ - 16 'बूढ़ा गिद्ध और बिल्ली' (कहानी)

सुप्रभात प्यारे बच्चो!

आज हम कक्षा तीसरी की पाठ्यपुस्तक में दिए पाठ - 16 'बूढ़ा गिद्ध और बिल्ली' पढ़ेंगे तथा समझेंगे।

बच्चो यह कहानी हमें सिखाएगी कि अजनबी लोगों से सदैव सतर्क रहना चाहिए क्योंकि अजनबी लोगों पर किया गया विश्वास हानिकारक सिद्ध हो सकता है। आइए, कहानी को पढ़ते हैं।

गंगा के किनारे एक वटवृक्ष की खोखल में बूढ़ा गिद्ध रहता था। बूढ़ा हो जाने के कारण जब वह भोजन के लिए नहीं उड़ सकता था तो उसने चिड़ियों से कहा कि मेरी मदद करो क्योंकि बूढ़ा हो जाने के कारण मैं उड़ नहीं सकता।

उस पेड़ के पक्षियों को गिद्ध पर दया आ गई। पक्षी जब अपने और अपने बच्चों के लिए भोजन लेकर आते तो उसमें से थोड़ा - थोड़ा बूढ़े गिद्ध को भी दे देते। पक्षी जिस समय पेड़ पर नहीं होते थे तब बूढ़ा गिद्ध उनके बच्चों की देखभाल करता था। इस प्रकार बूढ़े गिद्ध को भोजन मिलता था।

कक्षा - तीसरी विषय - हिन्दी साहित्य

एक दिन सुबह के समय वे उस पेड़ पर बूढ़ी बिल्ली के आने से चिड़िया के बच्चे रोने लगे। गिद्ध ने गुस्से से उसे भाग जाने के लिए कहा तो बूढ़ी बिल्ली ने नरम होकर गिद्ध को बताया कि उसने आजीवन पाप किए हैं। इस पाप के कारण मेरे सब बच्चे मर गए हैं इसलिए अब मैंने चूहों और पक्षियों को मारना छोड़ दिया है। मैं अब रोज़ गंगा स्नान करती हूँ, एकादशी का व्रत रखती हूँ और भगवान का जाप करके अनेक धार्मिक कार्य करती हूँ।

गिद्ध के यह पूछने पर कि यहाँ करने आई हो तो बिल्ली ने उत्तर दिया कि मैंने पक्षियों से सुना है कि आप बड़े धर्मात्मा हैं। धर्म का उपदेश देते हैं। मैं आपसे धर्म का उपदेश सुनने आई हूँ। कृपया आप मुझे धर्म का उपदेश दीजिए। गिद्ध ने कहा कि ठीक है, तुम मेरा उपदेश सुनने आ जाया करो। अब बिल्ली हर रोज़ उपदेश सुनने के बहाने गिद्ध के पास आती थी और गिद्ध से नज़र बचाकर पक्षियों के घोंसले से उनके बच्चे पकड़कर ले जाती थी। उन्हें खाकर उनकी हड्डियाँ नीम के पेड़ की खोखल में फेंक कर चली जाती थी।

कुछ दिन बाद पक्षियों ने बच्चे खोते देखकर बच्चों की खोज शुरू कर दी। जब उन्होंने नीम के पेड़ की खोखल में बच्चों की हड्डियों का ढेर लगा देखा तो पक्षियों ने सोचा कि बूढ़ा गिद्ध ही हमारे बच्चों को मारकर खा जाता है। इसलिए सब पक्षियों ने मिलकर गिद्ध पर हमला कर दिया और चोंच-पंजों से नोच-नोचकर मार डाला। गिद्ध बिल्ली से सावधान नहीं। उसने बिल्ली पर

कक्षा - तीसरी विषय - हिन्दी साहित्य

विश्वास कर लिया, जिसका दंड उसे जान देकर भुगतना पड़ा। बच्चों, इस कहानी से यह सीख मिलती है कि हमें बिना सोचे-समझे किसी पर विश्वास नहीं करना चाहिए।

बच्चो ! अब यह पाठ समाप्त हो चुका है। सब इस पाठ को दो-तीन बार ऊँचे स्वर में पढ़ेंगे।

गृहकार्य

① कठिन शब्द

1. वटवृक्ष 2. खोखल 3. व्रत 4. धर्मात्मा 5. नित्य
6. नम्रता 7. हड्डियाँ 8. प्रातःकाल 9. घोंसले 10. सतर्क।

② सुलेख

सभी छात्र अपनी कॉपी में एक पृष्ठ सुलेख लिखेंगे। इस कार्य को सब सुन्दर लिखाई में लिखेंगे।

③ शब्द-अर्थ

1. वटवृक्ष - बरगद का पेड़ 2. क्रोध - गुस्सा
3. स्वभाव - आदत 4. खामियाज़ा - दंड
5. धर्मात्मा - धर्म पर चलने वाला 6. विश्वास - भरोसा
7. नित्य - हर रोज़ 8. सतर्क - सावधान
9. गिद्ध - एक बड़ा माँसाहारी पक्षी 10. वंश - खानदान
11. खोखल - पेड़ के तने में बना खोखला स्थान
12. आँख बचाकर - छिपकर, चुपके से

सभी छात्र ऊपर दिए गए कार्य को अपनी-अपनी कॉपी में लिखेंगे।

धन्यवाद।

[Last Page]